प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

सेट–डी

समय– 3 घंटे पूर्णांक– 100

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. रंगों के आधार पर ऋतुओं का रूप............हो जाता है।

(साकार / निराकार)

2. नर जितना नीचे होकर चलेगा, उतना ही............उठेगा।

(ऊंचा / जल्दी)

3. नैनो एक यूनिट है, जो एक मीटर के............हिस्से के बराबर होता है।

(अरबवें / हजारवें)

4. कारण के उपस्थित होने पर भी कार्य न हो वहां............अलंकार होता है।

(विभावना / विशेषोक्ति)

5. मालवी बोली...........जिलें में बोली जाती है।

(मन्दसौर / सागर)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों में सत्य / असत्य छांटिए –

1. गौतम ने यशोधरा से शिक्षा में चिर वियोग मांगा।
2. लेखक राम दरश मिश्र सदैव बड़ा व्यक्ति बनना चाहते थे।
3. रोला और उल्लाला छंदों के मिलने से कवित्त छन्द बनता है।
4. घनानंद रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि है।
5. अर्थ के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते है।

प्रश्न 3. स्तंभ 'क' के लिए स्तंभ 'ख' से चुनकर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	ख
(1)	मंगल वर्षा	–	उषा प्रियंवदा
(2)	वापसी	–	बोली
(3)	मेरे जीवन के कुछ चित्र	–	भवानी प्रसाद मिश्र
(4)	आवेग	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
(5)	बघेली	–	संचारी भाव

प्रश्न 4. सही विकल्प चुनिए –

(1) तात्या टोपे एकांकी का मुख्य पात्र है –

(अ) मानसिंह (ब) मेजर मीड

(स) तात्या टोपे (द) विक्रम सिंह

(2) सूरज और चन्द्रमा सांझ–सकारे किसकी आरती करते है –

(अ) नदी की (ब) द्वीप की

(स) भारत माता की (द) धरती की

(3) पवित्र चार धाम इस राज्य में है –

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्यप्रदेश

(स) उत्तराखण्ड (द) हिमाचल प्रदेश

(4) ''वाक्यं रसात्मकं काव्यमं'' परिभाषा है –

(अ) आचार्य विश्वनाथ (ब) पण्डित जगन्नाथ

(स) आचार्य रामचन्द्र (द) पण्डित रमानाथ

(5) भाषा शब्द का मूल धातु है –

(अ) भाषा (ब) भष

(स) भष् (द) भाष

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :–

1. किस भय के कारण व्यापारी व्यवसाय में हाथ नहीं डालते?
2. नंद के आंगन में गोपियां क्यों एकत्र हुई?
3. देवकी कहां बंद थी?
4. करूण रस का स्थायी भाव क्या है?
5. हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?

प्रश्न 6. कवि ने प्रकृति से भारत को सजाने संवारने का अनुरोध क्यों किया है?

अथवा

नदी सदा गतिशील रहकर क्या दान देती है?

प्रश्न 7. बसंत के आगमन पर प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन होते है?

अथवा

कवि मुक्तिबोध ने नए–नए फूलों का वर्णन किस रूप में किया है?

प्रश्न 8. पुरानी धरती से कवि का क्या आशय है?

अथवा

सुरलोक में देवगण किसका वंदन कर रहे है?

प्रश्न 9. वतन क लाड़लो से क्या अपेक्षा की गई है?

अथवा

नींव के पत्थर से कवि का क्या तात्पर्य है?

प्रश्न 10. कबीर ने शब्द की क्या महिमा बताई है?

अथवा

घनानंद सुजान को क्या उलाहना देते है?

प्रश्न 11. लेखक के उदास होने पर पुस्तकें क्या कहती है?

अथवा

तात्या नरवर के राजा मानसिंह के संरक्षण में क्यों आए?

प्रश्न 12. रेडिमेड अध्यक्ष किसे कहा जाता है?

अथवा

रेवती अपने घर को जेलखाना क्यों कहती है?

प्रश्न 13. गजाधर बाबू के स्वभाव की दो विशेषताएं बतलाइए।

अथवा

'भय' कायरता या भीरूता की संज्ञा कब प्रापत करता है?

प्रश्न 14. ग्वाले ने गाय को सुई कैसे खिला दी?

अथवा

विजय से भांवर भरने की क्षमता किसमें होती है?

प्रश्न 15. भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को मिश्रित वाक्यों में बदलिए।

1. परिश्रमी व्यक्ति की सभी प्रशंसा करते है?
2. मेरे पास मोहन का पेन है?

प्रश्न 16. विशेषोक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखे।

अथवा

शांत रस की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखे।

प्रश्न 17. देवकी ने कंस का किस प्रकार समझाया?

अथवा

लता के गायन की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालें?

प्रश्न 18. निम्नलिखित का भाव पल्लवन कीजिए।

''ईश्वर किसी विशेष धर्म या जाति का नहीं होता''।

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए

1. मेरे जीवन का उद्देश्य समाज सेवा है। (मिश्रित वाक्य)

2. राम घर पर है। (संदेहवाचक)

3. हम सकुशल है। (प्रश्नवाचक)

प्रश्न 19. यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखे।

अथवा

दुर्मिल सवैया का उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 20. प्रगतिवादी काव्य की किन्हीं तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दो प्रगतिवादी कवियों के नाम उनकी एक–एक रचना के साथ लिखे।

अथवा

भारतेन्दु युग को हिन्दी कविता का जागरण काल क्यों कहा जाता है?

प्रश्न 21. हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकास में प्रेमचंद के योगदान का निरूपण कीजिए।

अथवा

जीवनी और आत्मकथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा शरद जोशी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाषा–शैली (4) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 23. गोस्वामी तुलसीदास अथवा गजानन माधव मुक्तिबोध का काव्यगत परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए।

(1) दो रचनाएं (2) भाव पक्ष–कला पक्ष (3) साहित्य में स्थान।

प्रश्न 24. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पिता जी ने घर के इसी कोने में एक बार कहा था– जीवन बहुत सरल नहीं है। मेहनत और ईमानदारी ही ऊर्जा बढ़ाते है। लाख अंधेरा आएं, लाख आपत्तियां आए, तुम यदि अपने प्रति आस्थावान निष्ठावान रहोगे तो स्वयं प्रकाशित होकर दूसरों को भी प्रकाशित करोगे।

अथवा

इन पुस्तकों ने एक दोस्त की तरह मेरा संग साथ निभाया है। जब कभी मेरा मन उदास हो जाता है कोई छोटी सी बात मेरे मन को बेचैन करती है। किसी घटना विशेष को लेकर मैं तिलमिला उठता हूॅ कोई समस्या मुझे सोने नहीं देती या किन्हीं चिन्ताओं से मैं घिर जाता हूॅ तब ये पुस्तके किसी बुजुर्ग की तरह मेरी पीठ को सहलाते हुए मुझे ढांढस बंधाती आयी है।

प्रश्न 25. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव।
एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव।।
जिभ्या जिन बस में करी, तिन बस कियो जहान।
नहिं तो औगुन उपजै, कटि सब संत सुजान।।

अथवा

तुम न समझो, देश की स्वाधीनता यों ही मिली है,
हर कली इस बाग की, कुछ खून पीकर ही खिली है।
मस्त सौरभ, रूप या जो रंग फूलों को मिला है,
यह शहीदों के उबलते खून का ही सिलसिला है।

प्रश्न 26. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिये।

मानव ने अपने व्यक्तिगत क्षणि लाभ के कारण पेड़ों पर जो अंधाधुंध कुल्हाड़ी चलाई है, उसके भयंकर परिणाम सामने आ रहे है। जहां–जहां जंगल कटे है, वहां–वहां भूमि क्षरण के कारण भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो गई है। वन क्षेत्र के कम होने से वर्षा पर भी प्रभाव पड़ा है, उपजाउ इलाके रेगिस्तानी भूमि में बदल रहे है। जैसे–जैसे वन क्षेत्र कम हो रहे है, वैसे–वैसे प्रदूषण, भूमिक्षरण अवर्षा या बाढ़ की समस्याएं बढ़ती जा रही है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 27. उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना हेतु सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल को आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

माता जी को पत्र लिखिए जिसमें उनके स्वास्थ्य विषयक जानकारी का उल्लेख किया गया हो।

प्रश्न 28. (अ) निम्नांकित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. पर्यावरण प्रदूषण – समस्या और समाधान।
2. भारतीय समाज में नारी का स्थान।
3. परहित सरिस धर्म नहीं भाई।
4. भ्रष्टाचार – एक ज्वलंत समस्या।
5. राष्ट्रीय एकता और अखण्डता।

(ब) उपरोक्त शेष निबंधों में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

<u>आदर्श उत्तर</u>

विषय – हिन्दी विशिष्ट

कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. साकार
2. ऊंचा
3. अरबवें
4. विशेषोक्ति
5. मन्दसौर

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सत्य/असत्य छांटिये –

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां बनाइये–

	क	–	**ख**
(1)	मंगल वर्षा	–	भवानी प्रसाद मिश्र
(2)	वापसी	–	उषा प्रियंवदा
(3)	मेरे जीवन के कुछ चित्र	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
(4)	आवेग	–	संचारी भाव

(5) बघेली – बोली

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही विकल्प का चयन कीजिए–

1. तात्या टोपे।
2. भारत माता की।
3. उत्तराखण्ड।
4. आचार्य विश्वनाथ।
5. भाष।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

1. अर्थहानि के भय से व्यापारी नए व्यवसाय में हाथ नहीं डालते।
2. श्रीकृष्ण का संदेश सुनने नंद के आंगन में गोपियां एकत्रित हुई।
3. देवकी कंस के कारागार में बंद थी।
4. करूण रस का स्थायी भाव शोक है।
5. हिन्दी की लिपि देवनागरी है।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. सुबह तथा सायंकाल सूरज चन्दा भारतमाता का स्वागत करते है। सूर्य से उष्णता तथा चन्द्रमा से शीतलता प्रदान होती है। ऋतुओुं से कवि ने आह्वान किया है कि भारत माता को नित्य नूतन परिधानों से सुसज्जित करें। भारत की गंगा नदी, हमारे लिए जीवनदायिनी है। कश्मीर की डल झील भारतीय सुषमा का केन्द्रे है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नदी सदैव गतिशील रहती है। वह द्वीप को उसका स्वरूप तथा मनुष्य को जीवन दान देती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. बसंत के आगमन पर नवयुवती बेल रूपी दुल्हन ने नवीन कोपलों के वस्त्र धारण कर लिये है। भौरे गुंजार कर रहे है। बेलों के पुष्पों का हार पहन कर समीर धीरे–धीरे बहने लगता है। धरती रूपी नायिका का सुनहरी धान्य भरा आंचल लहराने लगा है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि मुक्तिबोध ने नए–नए फूलों का वर्णन मनुष्य के हृदय में जलती हुइ क्रांति की ज्वाला से किया है। कवि को नए–नए लाल फूल आग भरे लगते है। कवि ने बसंत के संपूर्ण सौन्दर्य को मनुष्य के माध्यम से व्यक्त किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. पुरानी धरती से कवि का तात्पर्य गौरवशाली भारत भूमि से है। भारत की भूमि प्राचीन काल से ही वीरों की जन्मभूमि रही है। स्वर्ग के समान सुखदायी भूमि भारत की ही है। यहां पर ब्रह्मा ने भी साकार रूप में अवतार लिया है। प्राचीन भारत भूमि अपनी सभ्यता, संस्कृति धार्मिकता और ज्ञानदायिनी के रूप में विश्व में प्रसिद्ध रही है। उसी प्राचीन भूमि को कवि ने पुरानी धरती के नाम से सम्बोधित किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सुरलोक में देवगण भारत के ऋषि, मुनियों और सुशिक्षित भारतवासियों का वंदन कर रहे हैं। यहां के प्राचीन गौरव से देवता भी परिचित है। समय–समय पर भगवान यहीं पर अवतरित होते रहे हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. वतन के लाड़लों से यह अपेक्षा की गई है कि वे इस देश की स्वाधीनता पर आंच आने न दे अर्थात शहीदों के बलिदानों से प्राप्त स्वाधीनता की रक्षा करें देश के युवा ही देश के श्रृंगार है और देश के उत्थान की अभिलाषा की साकार मूर्ति है। देश का सुनहरा भविष्य उसके लाड़ले युवाओं पर ही निर्भर है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नींव के पत्थर से कवि का तात्पर्य उन वीर पुरूषों से है जिन्होंने देश की स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों का बलिदान किया है। आज उसी नींव पर देश की संपूर्ण समृद्धि का भवन खड़ा है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. कवि ने कहा है कि संसार में शब्द की बड़ी महिमा है। शब्द को सावधानी के साथ मुंह से बाहर निकालना चाहिए। यद्यपि शब्द के हाथ पैर नहीं होते, लेकिन एक तरफ तो मधुर शब्द औषधि का काम करता है और दूसरी ओर असावधानी से बोला गया कठोर शब्द श्रोता के हृदय में घाव कर देता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

घनानन्द अपनी प्रियतमा सुजान को यह उलाहना देते है कि पहले तो मुझे तुमने प्रेम से अपनाया फिर स्नेह को तोड़कर मुझे मंझधार में बिना आधार के

क्यों छोड़ दिया? चातक की आन से कुछ सीख कर मुझे बेसहारा मत छोड़िए। प्रेम का रस पिलाने की आशा बंधा कर विश्वास में विष मत घोलिए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. जब कभी लेखक का मन उदस होता है कोई छोटी सी बात मन को बेचैन कर जाती है किसी घटना विशेष को लेकर तिलमिला उठता है, कोई समस्या सोने नहीं देती या चिन्ताओं से घिर जाता है तो ये पुस्तकें बुजुर्गों की तरह लेखक की पीठ को सहलाते हुए से ढाढंस बंधाती है तथा नजदीक आकर कान में पूछती है– कहिए किस बात की परेशानी है? यह पुस्तकें एक सच्चे दोस्त की तरह संग साथ निभाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मानसिंह तात्या के विश्वसनीय मित्र थे एक वर्ष से आजादी की लड़ाई में दौड़ते–दौड़ते थक गये थे तथा उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ चुका था। इस कारण वे मानसिंह के संरक्षण में आये।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. रेडीमेड अध्यक्ष वह है जो सब विषयों पर एक ही अन्दाज से एक ही बात करता है और उसे सब में एक सा आनन्द आने लगता है। वह सभी जगह बोलने के लिए तैयार रहता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

चूंकि उसका घर छोटा, घुटन वाला तथा जीवन की सुविधाओं से रहित, जेलखाने की किसी कोठरी जैसा है। अतः वह घर को जेलखाने की संज्ञा प्रदान करती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. गजाधर बाबू के स्वभाव की दो विशेषाताएं –

1. वे स्नेही व्यक्ति थे तथा स्नेह की आकांक्षा रखते थे।
2. वे परिवार के सदस्यों के साथ मनोविनोद करना चाहते थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भय जब स्वभावगत हो जाता है तब वह कायरता या भीरूता की संज्ञा प्राप्त करता है। भय एक मनोविकार है जो किसी आने वाली आपदा की भावना या दुख कम कारण का सामना होने पर मन में आवेग या आश्चर्य उत्पन्न करता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. गौरा के आ जाने से ग्वाले की कमाई कम होने लगी। लेखिका गौरा के दूध को आसपास के लोगों में बांट देती थी और लोगों ने ग्वाले से दूध लेना बंद कर दिया परिणामतः ग्वाले ने अवसर मिलते ही गुड़ में सुई लपेटकर गाय को खिला दी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि के अनुसार युद्ध के मैदान में जो रण बांकुरे अपने शौर्य और वीरता से शत्रु के छक्के छुड़ा देते है तथा जो आवश्यकता पड़ने पर स्वतंत्रता के यज्ञ मं सफलता पाने हेतु अपने प्राणों तक की आहुति देने से भी नहीं हिचकते, वास्तव में विजयश्री के साथ भांवर भरने अथवा उसका वरण करने का अधिकार भी उन्हीं हो होता है। ऐसे वीर पुरूष अपने व्यक्तिगत हितों को त्यागकर निःस्वार्थ

भावना से राष्ट्र की सेवा में स्वयं को पूरी तरह झोंक देते है और समूचा राष्ट्र अपने इन लाड़लों के कृत्यों से निहाल हो उठता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. भाषा और बोली में अतंर—

1. भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है जबकि बोली का क्षेत्र सीमित होता हैं।
2. भाषा का साहित्य प्रचुरता में लिखित होता है जबकि बोली का साहित्य अलिखित या न्यून होता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, उसकी सभी प्रशंसा करते हैं।
2. मेरे पास ये जो पेन है, मोहन का है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. जहां कारण के उपस्थित होने पर भी कार्य नहीं होता वहां विशेषोक्ति अलंकार होता है।

उदाहरण—

1. अब छूटता नहीं छुड़ाये, रंग गया हृदय है ऐसा,
   आंसू से धुला निखरता यह रंग अनौखा कैसा।
2. इन नैननि को कछु उपजी बड़ी बलाय,
   नीर भरे नित प्रति रहे, तउ न प्यास बुझाय।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संसार की निस्सारता तथा इसकी वस्तुओं की नश्वरता का अनुभव करते ह्रदय में वैराग्य या निर्वेद भाव उत्पन्न होता है। यही निर्वेद स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से संयोग से शांत रस के रूप में परिणत होता है।

उदाहरण–

मन रे! परस हरि के चरण
सुभग सीतल कमल कोमल,
त्रिविधि ज्वाला हरण।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. देवकी ने कंस को समझाते हुए कहा कि अस्तित्व और अनस्तित्व में कोई विशेष अंतर नहीं होता है। यह तो मात्र भ्रम है। वास्तव में जो है वह दिखाई नहीं देता और जो दिखाई देता है वह है नहीं। देवकी कंस के परेशान चेहरे को देखते हुए उसे पुनः समझाने के उद्‌देश्य से कहती है कि जो है उसका अभाव नहीं हो सकता और जो नहीं है उसका भाव नहीं हो सकता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लता मंगेशकर जी के गायन की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है :–

1. लता जी के कारण ही चित्रपट संगीत को और मनोरंजन की दुनिया को विलक्षता प्राप्त हुई है।
2. लता जी के गाने की मुख्य विशेषता उसका गानपन है।
3. लता जी के गाने के स्वर में निर्मलता, कोमलता और मुग्धता है।
4. उनके गीतों के किन्हीं दो शब्दों का अंतर स्वरों के आलाप द्वारा सुन्दर रीति से भरा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है मानों दोनों शब्द विलीन होते–होते एक दूसरे में मिल जाते है।
5. नादमय उच्चार भी लता जी के गाने की विशेषता है।

6. लता जी की लोकप्रियता अचल है क्योंकि अन्य किसी पार्श्व गायक–गायिका की लोकप्रियता उनके स्थान को प्रभावित नहीं कर सकी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. भाव विस्तार– यह बात अक्षरशः सत्य है कि ईश्वर निर्गुण, निराकार, अखण्ड, अजन्मा, शाश्वत एवं सर्वव्यापक है। उसे किसी परिधि में समेटकर नहीं बांधा जा सकता। परिमपिता होने के फलस्वरूप वह सबका है एवं सब उसके है। समस्त धर्म अनुयायियों का उस पर समान रूप से अधिकार है। धर्म के मार्ग अलग होते हुए भी सबका लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति होता है। वह असीम करूणा सब पर समान रूप से बरसाता है। अतः ईश्वर किसी विशेष धर्म या जाति का नहीं होता।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. मेरे जीवन का उद्‌देश्य है कि मैं समाज सेवा करूं।
2. शायद राम घर पर है।
3. क्या हम सकुशल है?

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. यमक का सामान्य अर्थ है दो। अतः जब एक ही शब्द की भिन्न अर्थ में आवृत्ति होती है, वहां यमक अलंकार होता है।

जैसे–

कनक–कनक ते सौ गुणी मादकता अधिकाय।
या पाये बौरात नर वा खाये बौराय।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

दुर्मिल सवैया के हर चरण में आठ सगण पाये जाते है। वर्ण संख्या 24 मानी गई है। इसका दूसरा नाम चन्द्रकला भी है।

उदाहरण–

सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर ध्यावें।
जाहि अनादि अनन्त अख्याण्ड अछेद अभेद सुवेद बतावें।
नारद से सुक व्यास रटैं पचि हारे तउ पुनि पार न पावें।
ताहि अरीर की छोहरियां, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावें।।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. प्रगति शब्द का अर्थ है – चलना, आगे बढ़ना।

प्रगतिवाद में साम्यवादी विचारधारा का साहित्यिक दृष्टिकोण स्वीकार किया गया है। इसकी निम्नलिखित विशेषताएं है।

1. ईश्वर के प्रति अनास्था।
2. शोषितों के प्रति सहानुभूति।
3. यथार्थ का चित्रण।

	प्रमुख कवि		रचनाएं
1.	धर्मवीर भारती	–	अंधायुग, कनुप्रिया
2.	अज्ञेय जी	–	बाबरा अहेरी, हरी घास पर क्षण भर
3.	गजानन माधव मुक्तिबोध	–	चांद का मुंह टेढ़ा है, काठ का सपना।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतेन्दु युग के कवियों की कविता में देशोद्धार, राष्ट्र प्रेम, अतीत गरिमा आदि विषयों की ओर ध्यान दिया गया है। कवियों की वाणी में राष्ट्रीयता के स्वर मुखरित है। सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं सामाजिक आन्दोलनों के फलस्वरूप हिन्दी काव्य में नयी चेतना तथा विचारों का समावेश हुआ।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. प्रेमचन्द्र के अवतरण के साथ ही हिन्दी उपन्यास को सशक्त प्रतिभा का सम्बल मिला। प्रेमचन्द्र ने नवजात उपन्यास विधा को पूर्ण विकास तक पहुंचाया। गोदान, कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन, प्रेमाश्रय, निर्मला, गबन आदि आपके उत्कृष्ठ उपन्यास है। विषय तथा शिल्प दोनों दृष्टियों में आपने उपन्यास साहित्य को पुष्ट किया। आप यर्थावादी लेखक हैं। राजनीति, समाज तथा मानव की समस्याओं को उभारकर उनके समाधान दिये गये है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जीवनी और आत्मकथा में अंतर –

क्र.	जीवनी	आत्मकथा
1	जीवनी किसी महापुरूष के जीवन पर आधारित होती है।	आत्मकथा में लेखक अपनी कथा कहता है।
2	जीवनी सत्य घटनाओं पर आधारित होती है।	आत्मकथा काल्पनिक भी हो सकती है।
3	जीवनी लेखक तटस्थ रहकर लिखता है।	आत्मकथा लेखक अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर लिखता है।
4	जीवनी लेखक अपने विचार एवं प्रतिक्रिया नहीं दर्शाता।	आत्मकथा लेखक अपने विचार व्यक्त करता जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. लेखक परिचय – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

1. **रचनाएं :–** हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी काव्य में रहस्यवाद, रस मीमांसा, चिन्तामणि, बुद्धचरित।

2. **भाषा :–** साहित्यिक दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की भाषा अत्यंत परिष्कृत एवं संस्कृतनिष्ठ है। उर्दू, फारसी के शब्दों का स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। मुहावरों, लोकोक्तियों के प्रयोग आपकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावी बना देते हैं।

3. **शैली :–** शुक्ल जी अपनी शैली के स्वयं निर्माता हैं। उनकी शैली समास से प्रारंभ होकर व्यास शैली के रूप में समाप्त होती है। मुख्य रूप से आपने समीक्षात्मक, गवेषणात्मक, भावात्मक व व्यंग्य प्रधान शैली का प्रयोग किया है।

4. **साहित्य में स्थान :–** आचार्य शुक्ल युग प्रवर्तक निबंधकार के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमरत्व प्राप्त किया है। मनोवैज्ञानिक विषयों पर लिखे गए उनके निबंध साहित्य की अमूल्य धरोहर है।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

लेखक परिचय – शरद जोशी

1. **रचनाएं :–**
   1. परिक्रमा।
   2. तिलिस्म।
   3. जीप पर सवार इल्लियां।
   2. मैं–मैं और केवल मैं।
   3. अन्धों का हाथी।

2. **भाषा :–** शरद जी की भाषा अत्यंत सहज एवं सरल है। विदेशी व देशज शब्दों के प्रयोग से भाषा में बोधगम्यता आ गई है। स्थान–स्थान पर मुहावरों के प्रयोग से भाषा में चंचलता एवं विशिष्ट प्रवाह है।

3. **शैली** :– शरद जी की शैली मुख्य रूप से हास्य व्यंग्य प्रधान है। उन्होंने सामाजिक विडम्बनाओं और अन्तर्विरोधों पर चमत्कारिक व्यंग्य लिखे है। उनकी आलोचनात्मक शैली भी व्यंग्य से परिपूर्ण है।

4. **साहित्य में स्थान** :– शरद जोशी जी ने अपने व्यंग्यों के माध्यम से सारे देश को एक सूत्र में बांध दिया। हिन्दी साहित्याकाश में अप्रतिम व्यंग्यकार के रूप में उनका महत्वपूर्ण स्थान है।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 23. कवि परिचय– **तुलसीदास**

1. **रचनाएं** :– रामचरित मानस, दोहावली, कवितावली, गीतावली, पार्वती मंगल आदि।

2. **भावपक्ष** :– भक्ति को ईश्वर प्राप्ति का साधन मानने वाले कविवर तुलसीदास तत्कालीन समाज में भक्ति कालीन कवि के साथ–साथ समाज सुधारक भी माने गये हैं। इसके लिए उन्होंने काव्य शास्त्र को माध्यम बनाकर हिन्दी साहित्य को श्रेष्ठ रचनाएं प्रदान की।

3. **कलापक्ष** :– भाषा संस्कृत निष्ठ है। अवधि एवं ब्रजभाषा के साथ–साथ कहीं–कहीं अरबी, फारसी, बंगाली, पंजाबी भाषा की लोकोक्तियों का भी प्रयोग मिलता है। मुख्य रूप से अवधि भाषा का प्रयोग हुआ है।

4. **साहित्य में स्थान** :– हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ कवि के रूप में आप सुविख्यात है। आपकी हिन्दी साहित्य को अनूठी देन युग–युग तक अमर रहेगी।

(1+1+1+1=4 अंक)

अथवा

कवि परिचय – गजानन माधव ''मुक्ति बोध''

1. **रचनाएं** :– चांद का मुंह टेड़ा है, काठ का सपना, सतह से उठता हुआ आदमी, नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, भारतीय इतिहास, कामायनी एक पुर्नविचार।

2. **भाव पक्ष :–** मुक्तिाबोध जी जीवन तथा समाज के यथार्थ से संबंध रखते है। कविता में समाज की विपन्नता, विवशता तथा विसंगतियों को चित्रित किया है। काव्य में मानवतावाद का स्वर स्पष्ट से मुखारित हुआ है। कविता में आधुनिक भाव बोध की सशक्त अभिव्यंजना है। उनकी काव्य चेतना में चिंतन की प्रचुरता है।

3. **कला पक्ष :–** भाषा परिमार्जित, प्रौढ़ तथा पुष्ट है। भाषा सरल तथा प्रवाहमय है। भाषा में प्रांजलता, शब्द चयन की सहजता, सार्थकता के साथ–साथ बोध के अनुरूप कथ्य को प्रकट करने की पूर्ण सामर्थ्य है। भाषा में कहीं पर बनावट तथा अस्वाभाविकता नहीं है। इनकी काव्य शैली बिम्ब तथा प्रतीक प्रधान है एवं सहज जीवन को व्यक्त करने कारण सरलता से ग्राह्य है।

4. **साहित्य में स्थान :–** यथार्थवादी कवि के रूप में आपका हिन्दी साहित्य में सर्वश्रेष्ठ स्थान है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत गद्यांश तिमिर गेह में किरण आचरण शीर्षक से उद्धृत है। इसके लेखक डॉ. श्यामसुंदर दुबे है।

प्रसंगः– इसमें अपने पिता के द्वारा कही गई बात याद आती है कर्मठ व्यक्ति ही निर्माण रूपी प्रकार से संसार को सुख देता है।

व्याख्याः– लेखक के पिता ने कहा था – संसार में रहकर सुखों की प्राप्ति कोई सरल कार्य नहीं है। श्रम, ईमानदारी ही प्राणी में काम करने की शक्ति बढ़ाते है। प्राणी के जीवन में चाहे अनगिनत दुख, मुसीबत या रूकावटे आये परंतु वह अपने कर्म, मेहनत, सत्य और ईमानदारी पर विश्वास रखेगा तो उसके विकास को कोई नहीं रोक सकता। अर्थात जिस दिन मनुष्य स्वयं कर्मठ बनकर दूसरो को भी कर्मठ बनने की प्रेरणा देगा वहीं दीपावली का दिन होगा। जहां असंख्य

दीपक जलकर प्रकाश फैलायेंगे, मानव जाति निर्माण के पथ पर चल पड़ेगी, तब सुख ही सुख का साम्राज्य होगा।

विशेषः– कर्म ही सफलता का फल है। संस्कृत एवं उर्दू के शब्दों का प्रयोग। व्यास तथा उद्धरण शैली का प्रयोग है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– पाठ– मैं क्यों लिखता हूँ। लेखक– श्री रामनारायण उपाध्याय।

प्रसंग :– उक्त पंक्तियों में लेखक ने पुस्तक को अपना सच्चा मित्र एवं सहायक बताया है।

व्याख्या :– उपाध्याय जी कहते है कि पुस्तकों एवं लेखक के बीच गहरी दोस्ती होती है। जीवन की अनेकानेक की समस्याओं एवं दुख की घड़ियों में पुस्तकों ने सच्चे मित्र की तरह साथ दिया है। गहरी उदासी एवं बेचैनी के क्षणों में पुस्तकें ही मेरी सहायक होती है। संकट की घड़ियों में जब मैं सो नहीं पाता हूँ, चिन्ताएं चारों ओर से घेर लेती है तब मैं अपनी पुस्तकों के साथ रहता हूँ और ऐसा लगता है ये पुस्तकें किसी बडे बुजुर्ग की तरह मुझे धैर्य बंधा रही है, मेरी पीठ सहला रही है, मुझे ढाढंस बंधा रही है।

विशेष :–

1. भाषा सहज एवं सरल।
2. पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह है।
3. छोटे–छोटे वाक्यों में गंभीर मार्मिकता।
4. आत्मकथात्मक शैली

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

उत्तर 25. पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत अंश अमृतवाणी के साखी शीर्षक से अवतरित है इसके रचयिता कबीरदास जी है।

प्रसंगः– इसमें कवि ने वाणी के महत्व को प्रतिपादित किया है।

व्याख्याः– कबीरदास कहते है कि मनुष्य को बोलने के पूर्व सोच–विचार करना चाहिए क्योंकि शब्दों के हाथ–पैर नहीं होते। मीठे वचन औषधि सा काम करते है जबकि कटु वचन सुनने वाले के ह्रदय में घाव कर सकते है अर्थात मधुवचन सुखी तथा कटु वचन दुखी करते हैं। कबीरदास जी का कहना है जिन लोगों ने अपनी जीम को वश में कर लिया मानों उन्होंने संसार जीत लिया जिन्होंने जीभ को वश में करना नहीं सीखा उनको अनेक दुख उठाने पड़ते है ऐसा सज्जनों का कहना है।

विशेषः– भाषा सधुक्कड़ी है। अनुप्रास अलंकार, दोहा छंद तथा शांत रस का प्रयोग।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–1, विशेष–1 कुल 4 अंक)

अथवा

पद्यांश की व्याख्या –

संदर्भः– कविता– राष्ट्र के श्रृंगार, कवि श्री कृष्ण सरल।

प्रसंगः– इन पंक्तियों के माध्यम से कवि हमारे युवाओं को बता रहे हैं कि हमें आजादी कैसे मिली है।

व्याख्याः– कवि श्री कृष्ण सरल देश के वीर नागरिकों को संबोधित करते हुए कह रहे हैं कि तुम यह मत समझना कि हमें स्वाधीनता आसानी से मिल गई है। इस स्वतंत्रता रूपी बगियां की हर कली, मस्त सुगंध और फूलों का रूप रंग शहीदों के रक्त से सींचा गया है। तभी हमें आजादी की हवा में सांस लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन शहीदों के खून से सींचा गया यह उपवन अब हमें संभालकर रखना है इसकी रक्षा करना है।

विशेषः— खड़ी बोली, अलंकार—रूपक, रस—वीर, गुण—ओज।

(संदर्भ—1, प्रसंग—1, व्याख्या—1, विशेष—1 कुल 4 अंक)

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर —

उत्तर 1. शीर्षक — वनों की महत्ता।

उत्तर 2. सारांश — मानव को उन्नति करना है तो वनों को संरक्षित करना होगा। वृक्षों की कटाई से भूमि की उपजाउ शक्ति नष्ट हो रही है। प्रदूषण एवं अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

(2+3 कुल 5 अंक)

उत्तर 27.

आवेदन पत्र

प्रति,

सचिव,
माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश
भोपाल (म.प्र.)

विषयः— गणित विषय (कक्षा—X) की उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना हेतु।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैं म.प्र. बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा सन् 2011 में सम्मिलित हुआ था। मेरे सभी विषयों के प्रश्नपत्र भली प्रकार संपन्न हुए थे। परीक्षा परिणाम आने पर मुझे ज्ञात हुआ कि मुझे गणित विषय में आशा के विपरीत अंक प्राप्त हुए है। मैं उक्त विषय की उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना करवाना चाहता हूॅ। नियमानुसार मण्डल कार्यालय के पुनर्गणना हेतु आवेदन में आवश्यक प्रविष्टियां कर दी गई है तथा पुनर्गणना हेतु निर्धारित शुल्क का बैंक चालान रू. 2315 संलग्न है।

आशा है पुनर्गणना विषयक उक्त प्रकरण पर कार्यवाही कर अनुग्रहीत करेंगे।

संलग्न :—

1. पुनर्गणना फार्म
2. बैंक चालान
3. हाई स्कूल परीक्षा की अंकसूची की छायाप्रति

निवेदक

दिनांक

संतीष कुमार गोस्वामी
केन्द्र क्र. 313001
रोल नं. 123129392
पता– 49, शिव सदन
नेहरू नगर, उज्जैन

संबोधन 1 अंक, विषय 1 अंक, विषयवस्तु 2 अंक, प्रेषक 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

माता जी को पत्र

म.न. 5, रांझी

जबलपुर,

दिनांक 18.11.2011

आदरणीय माताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां पर कुशलता पूर्वक हूॅ आशा करता हूॅ कि आप तथा मेरी छोटी बहन पूनम स्वस्थ एवं सानन्द होंगे। पिताजी के पत्र से ज्ञात हुआ कि कुछ समय से आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा है। मुझे आपके स्वास्थ्य की निरंतर चिंता रहती है। कार्य की अधिकता से आपके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। आप अपने स्वास्थ्य का सदैव ख्याल रखें तथा निरंतर डॉक्टरी परामर्श एवं उपचार करती रहा करें। मेरी चिन्ता कदापि न करें मैं मन लगाकर अध्ययन कर रहा हूॅ।

अपनी कुशलता के समाचार पत्र द्वारा देने की कृपा करें पिता जी को सादर चरण स्पर्श छोटी बहन को स्नेह।

आपका पुत्र

सेवा में,

श्री कृपा शंकर पाण्डे

नवीन कुमार

फ्टैल नं. 22, सुरभि अपार्टमेंट

होशंगाबाद रोड़, भोपाल

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु 3 अंक, प्रेषक 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **निबंध लेखन–**

आधुनिक भारत में भारतीय नारी

1. प्रस्तावना
2. प्राचीन भारतीय नारी
3. मध्यकाल में नारी की स्थिति
4. आधुनिक नारी
5. उपसंहार

''मैं कवि की कविता कामिनी हूँ, मै चित्रकार का रूचिर चित्र।
मै जगत नाट्य की रसाधार, अभिलाषा मानव की विचित्र।।

प्रस्तावना – ब्रह्मा के पश्चात इस भूतल पर मानव को अवतरित करने वाली नारी का स्थान सर्वोपरि है। मां, बहन, पुत्री एवं पत्नी रूपों में वह देवी है। वही मानव समाज से संबंध स्थापित करने वाली है। किन्तु दुर्भाग्य यह रहा है कि

इस जगत को समुचित स्थान न देकर पुरूष ने प्रारंभ से अपने वशीभूत रखने का प्रयत्न किया है।

प्राचीन भारत में नारी – प्राचीन काल में नारी की स्थिति अच्छी थी, वैदिक काल में नारी का सम्मानजनक स्थान था। रोमसा, लोपामुद्रा आदि नारियों ने ऋग्वेद के सूत्रों को रचा तो कैकयी, मन्दोदरी आदि की वीरता एवं विवेकशीलता विख्यात है। सीता, अनुसुइया, सुलोचना आदि के आदर्शों को आज भी स्वीकार किया जाता है। महाभारत काल की गांधारी, कुन्ती, द्रोपदी के महत्व को भुलाया नहीं जा सकता है उस काल में नारी बन्दनीय रही।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तग देवता।''

मध्यकाल में नारी की स्थिति – मध्यकाल नारी के लिए अभिशाप बनकर आया। मुगलों के आक्रमण के फलस्वरूप नारी की करूण कहानी का आरंभ हुआ। मुगल शासकों की कामुकता ने उसे भोग की वस्तु बना दिया। वह घर की सीमाओं में ही बंदी बनकर रह गई थी वह पुरूष पर आश्रित होकर अबला बन गई थी।

''अबला जीवन हाय, तुम्हारी यही कहानी।
आंचल में है दूध, और आंखों में पानी।।

भक्तिकाल में भी नारी को समुचित स्थान नहीं मिल सका। सीता, राधा आदि के आदर्श रूपों के अतिरिक्त नारियों को कबीर, तुलसी आदि कवियों ने नागिन, भस्म करने वाली तथा पतन की ओर ले जाने वाली माना।

रीतिकाल में तो वह पुरूषों के हाथों का खिलौना बनकर रह गई।

आधुनिक नारी – आधुनिक काल में नारी चेतना तथा नारी उद्धार का काल रहा है। राजा राम मोहन राय महर्षि दयानन्द महात्मा गांधी आदि ने नारी को गरिमामय बनाया है। पंत के शब्दों में जनमन ने कहा– ''मुक्त करो नारी को मानव चिरबंदनी नारी को युग युग की निर्मम कारा से जननी सखि, प्यारी को''। वस्तुतः स्त्री तथा पुरूष जीवन रथ के दो पहिये है। नारी तथा पुरूष का एकत्व सार्थक मानव जीवन का आदर्श है। अतः उसे बन्दनीय मानना भूल है।

उपसंहार – आज नारी पराधीनता से मुक्त होकर पुनः अपनी प्रतिष्ठा एवं गरिमा को प्राप्त कर रही है। पाश्चात्य के प्रभाव के कारण नारी समाज के एक वर्ग में विलासित की भावना अवश्य बढ़ रही है, किन्तु वह दिन दूर नहीं जब वह सद्मार्ग पर आ जाएगी। वह अपने रूप का वरण करेगी। वस्तुतः नारी मानवता की प्रतिमूर्ति है।

''मानवता की मूतिमयी तू, भव्य भाव–भूषण भण्डार।
दया क्षमा ममता की आकर, विश्व प्रेम की है आधार।।''

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा–

पर्यावरण प्रदूषण : समस्या और समाधान

1. प्रस्तावना।
2. प्रदूषण का अर्थ।
3. प्रदूषण के प्रकार।
4. प्रदूषण की समस्या का समाधान
5. उपसंहार।

कुल 3 अंक

– – – – –